

आशा अरु काथि

927

ASHA ARCHIVES

श्रीगणेशाय नमः भगवन् केवा वा माहा देव केवा वा कुं
मा भद्र देव केवा वा हुन्नुमान केवा वा माहा देव के
वा वा माहा को ली वी सु केवा वा रा न भद्र देव केवा
वा हु सर के जा गा वत केवा वा गोर सनाथ केवा वा
पुंज जो गी नी मा हु केवा वा पर ग जो गी नी केवा
वा सा भ गोर मुन्नु भद्र देव केवा वा मत्त गुरु व
उत्पाती देव तान उद्धार देव ता गुरु केवा वा हु
सर केवा वा — ६००० ११००० गुंन पनी से मा ता

नमो भगवते वासुदेवाय
रुक्मीसुतं वासुदेवमुवाच भगवन्
तव हृदये वासुदेवमिति वनाम्ना को सा स वसु
धुनीं सते नमथ हनुमाववीर्यकेशवाजागाव्रत
स्वाहा चारुण-३-थो मीत रसपहला इह नेमि र

१ नमः गुरु आगमा वीतवत्त महा करी वर्त काल
षष्ठ ज कामात्री हि काली हा हा फल त्या हा - चार ज
प - १ - थोमी तर घेतु द्या पें द्या येतु

२ नमः गुरु आगमा आगती ला ह की ला थो की त्या ज
ने को वान मे रा गुरु द्या मी को वाने व्रज जो जी नी
काली मायी को वाने ये हा नु अ गती ला ह की ला थो

की वाने हाने वाही र पथा हने गुरु वा वा ह सरी

गोपि
नमः

की वाने हाने वाही र यथा इने गुरु वा वा इ सरी
की वा वा इ फल साहा - चार जप - ५०० - थोम
पर से जार न द चा की वा मो ल साहा ज म ग रा इ
ये क म मरी रा म नु ज प ग रा इ रा र वी पु ना ग

उ इ इ वी चोर पार व ती जो जे जो मो इ फल साहा -
- चार जप - १ - थोमंतर वो क सी इ वी ल सा था थे गु

३ तो लो तो ली की तो लो लो मु मी वार ल तु वा ल कु
मा री ह फ त स्वा हा - धार ज्य - १ थो मी त र प्र र स
था मे घा घे गु

४ आ त्र ल हा ह फ त स्वा हा - धार ज्य - ५ - थो मी त र मु
द वी नि ब्र ह्म गु घा घे गु

५ न म गुरु आ ग्वा धं द वी र ह नु मा न भा ग्गु ह फ

त स्वा हा - १ - धार ज्य - थो मी त र वो क सी भं त

त स्माहा-१-धारण-धोमैतारवोकसी भंत

शुभ साधयेगु

ॐ काली वं काली रुन र तं तं मत्त ये र प र न र
रु रु रु रु रु त स्माहा-धारण-१-धोमैतार रु थ सी

पथने गु स्माने को सता ये गु म चा वु यी सी यी

स च ना स च रु रु रु

× अनकली का मीनी का ह सीधी माता अ सैती का
हं क-त साहा-धारजप-इ-थोमै-र मी सा मी
जोन घाना मरुनी घाउ सीरुती घे थोमै-
मरुनी घाउ उलना घाना न के न जी उ गु

× नमे उरु भाग्या ही इ आमुलना से कुल साहा
धारजप ७-थोमै-र मरुनी सीरुती घे उलना न के जी

अनम गउ भाग्या व उ न मा गनी ही २ न साहा

ॐ नमः गुरु आगपाव रजवार गयी ही हि फल स्वाहा
धारजाप - १ - थोमंतर घोलो ध्याता रमत ध्याता
माका वी ध्याता इम वी लस्मान ध्याता जी उ

ॐ नमः गुरु आगपाजा वजाव मीत लस्मान
जीत कु फल हि फल स्वाहा - धारजाप - २८ -
थोमंतर मीसा यानो वा वा फल ध्याता जी उ

मेवमस्यशाणुलीहमीसाकायेतमहनी
गुनु

अगुरुभवशातानस्यापीगनेखाहाहनक
तस्वाहा-भारहीनेरवीरयेरीतषकोनमगा
गुतोनेकेननासत्तातोप्राणातो नभदुनाथो
पीसीनीनाबवीसनपवयेसाइइसइथा

देमेवतसस्यकाइउनीवा-चा-२-१५-२२

के मे व न म स क उ र जी वा चार ३-५८-६६-३५-

* नम गुरु आण प्र क का स का सै हं हं चंद्र सु
र जे पर ता त्व का ली ना ग वो की थु ली मी मा
हं प्रे कैं न र सीं ग ज थु व व हं क र - धा र ज प - १ - धो
म त र जा की मं व द्या ना वो क सी स ते गु व इ वा
पु स त त सा न व इ वो क सी नो प्रा के जी उ ह

वाइस ते माल सान बह गुवो कसी नु ना के मा
ल सन बह गुवी रा नी या त ता रा म त या हो स
या ना त धे गु जी स न हो स या ना भ न क वा शु स ते गु
अ प या ना - १००८ या ये द म ना जा की क त स या
त त धे गु द म ना जा की प्रो या त त थे गु द म ना गु
ने स या त त धे गु थु ती भी ग या ना पु जा प्रा थे

ए के ते स -

उहीसेधया।मनो नदुधधया।ये जुदुध
मन भमन तुनाये ज इ गु

३ वं चा पाहुत साहा - धारजप - ७ —

३ हुी हुी हुी साहा दे वीन मना मे ज ई लील
तु तु तु ई त त त ॥ मु सा न धा मी ला पु ती सी
क या प्र ल स थु ने स तु धा ॥ ता फ त ल स थु ने स

ॐ ह न्तं उने स्या पाप वान लोक स्या नने से
पाप प्री तुन सीत सुत पावा त सप्त द्रव न्तं ग
ली ज सत स्या पुने स्या सथ थने हो सप्ता प्रा
ह क जी सा च न्तं थने

ॐ नम भगवते श्री वंद र माहा लोक नाथ देवा
सुत न र सी ध मनु ध दान थ तनु स प्र मा त्त स

मातृश्रीवांजंहीं रुद्रक तस्याज्ञा-चारजप-
-३-धोर्मतरयाद्येकात्मसायादकजोजनपेक
असुप्रदाप्रवोकसीनीयानीतुप्रजुनो

उभंवातंवाजोगीनीकापुत्रजाज्ञाक्षपत्रीती
हादतमाज्ञाकातोतुलोकासीकोकोतवा
तंरुमद्रामुद्रायीकाहीतोहीघरवुदीपष

मदींद्रकतेतलीपरापेनतेन

मुदी ई कु जो हा थी माका लो तुनो का था
हा हा हे - चार जप - ५ -

धु मंत्र न न धु धा धे धा स ग थी ज थी - ५
ध धार मंत्र धा धे जु जु

मनी दु न ऋ क्त सा हा - चार जप - ७ - धे मंतर
रु ग रा जु न सा धा धे णु

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
नीत्या भीव माहं मनी महनी ता नी जानु
भी त्रग देसा ये नु ज ह नी काली आर नु थ ध
र मं ह नी ता नी ज नु गं गा वार गं गा पार स
मुद्र २२ उ गे रं स मुद्र पार ग दे रा पर प्रता
जी मा हा दे की वा वा अ फल त आ ७ हा न्धार ७

— जप — ५ —

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ वा जा जी नी का पु तु जा हा त गा पी ती
हा दर मा हा का लो तो लो का सी का को ल
वा ल हा मं द्रा मु द्रा थी फा ही तो ती ये मु द्रा
पं च मु द्रा द्वा हा पी मा हा को लो त लो का
धा हा पी हे हि फ त स्वा हा - चार जप - प जप
- थो मं र बु हा ये स धा स ग भी ज थी व द्य

धातुतमंत्रयायेगुजुहुत

ॐ रंनमगुरु वेमोत्तया काया उउहं फ्र त
साहा-धाराप-२२-थोमंतर कत्तयेनेवन
कन सुधाह सन्दी जोत्तपाससथेनेह
न्दी जोत्ततया

ॐ कुलुर्मुत्तं उनेस्यं प्रायेवार हन धौकसा

न नं यथेपी तनयीन यथा यन यारा

न नें स ये प्री तु न सी न सु धा म ल सा हा -

- धार ज प - व प - थो मंतर पृ रा व न्ह स गु ली ध
न ल ये पा पु नें स्या स थ य नें स्या स वा द्या हा का
ने ली स्वा प्र न्ह

म श्री गुरु आ ग्या रा ज म ह नी कार जै म
ह नी सर व भा इ म ह नी ला गी जा नु छ भी न्र जा दे

सीत भुला देनी की नीत पीली सी डूना देनी
कोली त था उन सचुरां गोला उ रा प्र र व ता
सी मा हा देव के वा चा ३ कृत स्वाहा-चार
जप-६-थो मंतर स रा ज म ह नी द्या ये गु मु सा व

३ न गुरु आ ग रा रा हु वा पु ट त वा सु ह कृत
स्वाहा-चार जप-७-थो मंतर रा हु त रो ग द्या गु

३ न स ग रा रा हु वा पु ट त वा सु ह कृत

अंकासं याये गु मह न

ॐ सीधी गुरु गतुं चीनारों थाये हुं फ त स्वाहा
-धारजप-५-थोमंतर महनी या गु जं व्रुथ
ने गु धारत ये गु

ॐ गुरु अंकासं काये मनी हावा की सन नारों
हतीं मत स्वाहा-धारजप-५-थोमंतर मेव
न म सुधी या गु ती काये याये त म त ल महनी

या गु न के गु

प्रागुनकेंद्र

ॐ गुरुआग्रा अं व वात न स्वाहा पी चां ने स्वाहा ह
फ त स्वाहा चारुण्य - वट - धोमंतर नीत वन को
वन मंगा गु ता तो न के व वा स ल इ ता या ता तो
न भ तु स्वाहा पु सी धे नी ना व वी स न प ध धे सा
इ इ स दा धे के मे व न म पु क ली का धे नी गु न

आशा सरकाथि

927

ASHA ARCHIVES

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय — ०००० —

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥

हा उरु रु
बु की व रु
न स रु
स रु

अर्जुन पुन मोह। नीनवो भु
मप प स थ मोह नी क द
था स भो न व था के पु जा था
ये त छ नी व स न पु न मे
त्त भी सा था ना का था गो थ
त्त व के रु व थ के गेल



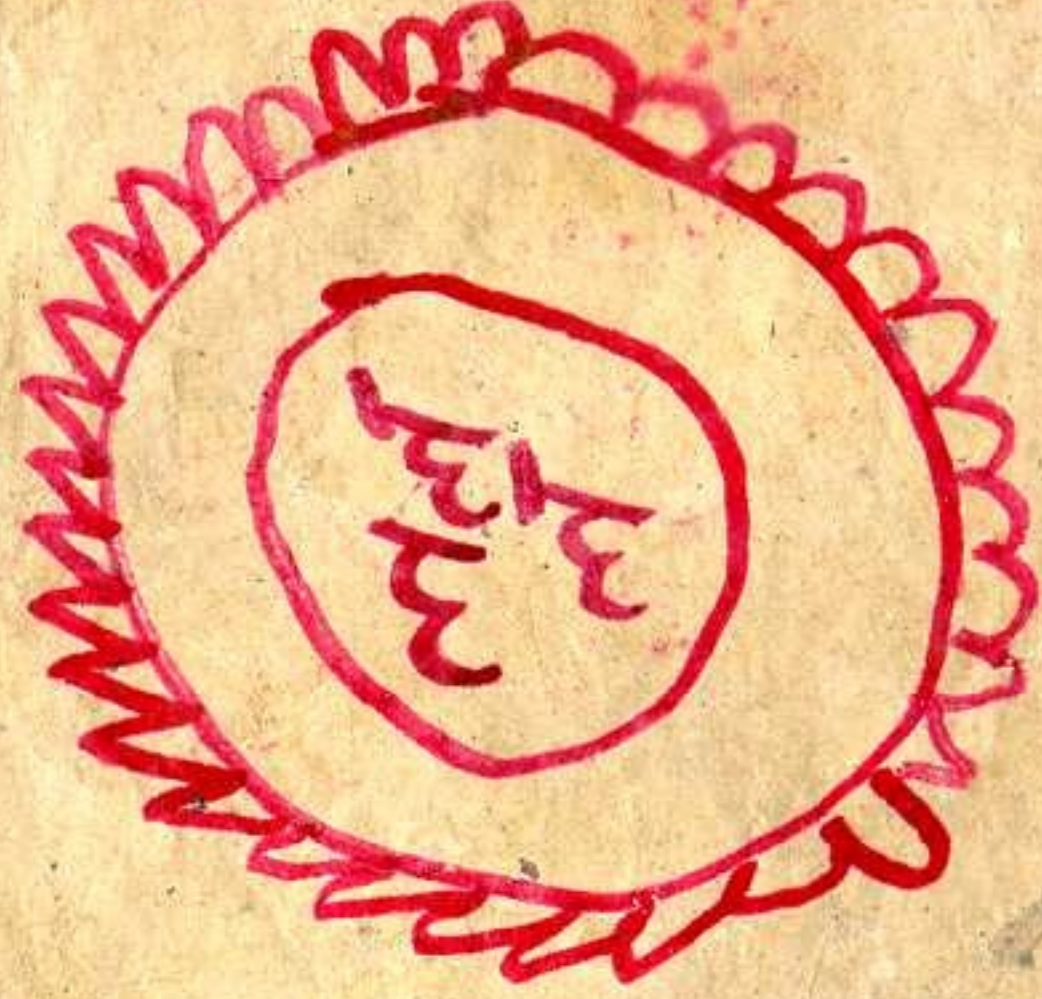
अजपुके पुननी के कु म
म अजप न स थ वं के मो द
थ म को सा अ स व लो क
सी अव व स्या था म गु ल -



अर्जुन प्रसन्नमनसोऽपि तदा
ब्रह्मणोऽस्य सन्निभोऽपि तदा
अर्जुन प्रसन्नमनसोऽपि तदा
ब्रह्मणोऽस्य सन्निभोऽपि तदा



धर्ममसाम्प्रदायिकानाम्
अवधिमाससाम्प्रदायिकानाम्
विस्मानाम्प्रदायिकानाम्
माकोसप्रदायिकानाम्
प्रजाप्रदायिकानाम्



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

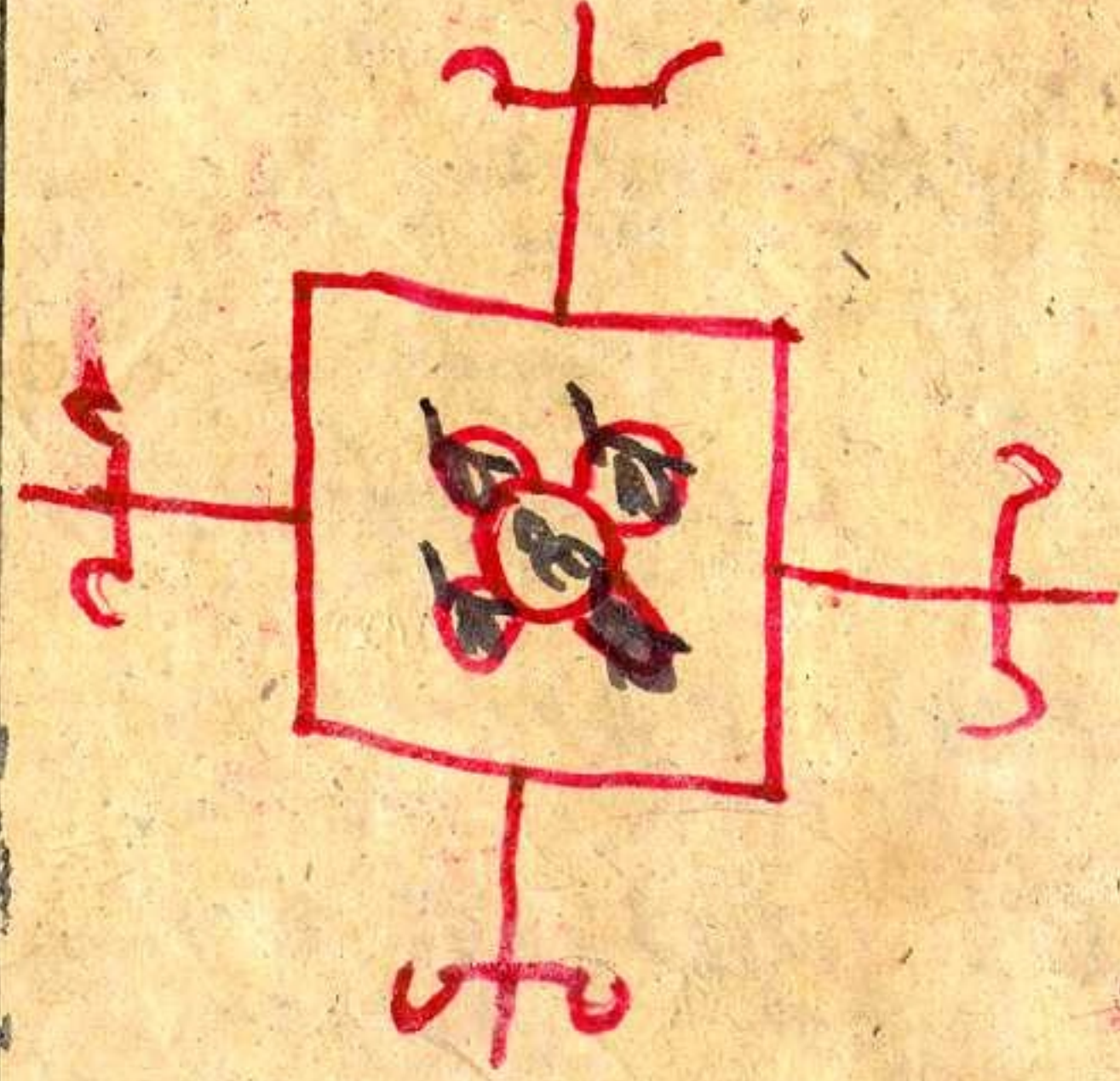
ॐ नमो भगवते

ॐ नमो भगवते

ॐ नमो भगवते ॐ नमो भगवते
ॐ नमो भगवते ॐ नमो भगवते
ॐ नमो भगवते ॐ नमो भगवते
ॐ नमो भगवते ॐ नमो भगवते
ॐ नमो भगवते ॐ नमो भगवते



श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं
 नमो नमो नमो नमो नमो नमो नमो नमो नमो
 श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं
 श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं श्रीं



अज्ञाननीमथानसओग्राम
वानसथनौवाकस्या। नदगोत्त
सधानानुषाधानरेवाप्रो
मेद्रुवाक

व
 पापा
 वाक
 ज

धं ज्ञानमुसावा आसन्निष्ठ
 का ज्ञानसुवावावावावा
 सधने सुवावावावावा
 उवावावावावा



धर्मात् सप्तगिरिभावात्
सप्तगिरिभावात् सप्तगिरिभावात्
कौटिल्येन



अजकं अजकं अजकं अजकं
नकुं कुं मरुद्वैलन नीनकोदा
वा क्रोडवो सधने नीलीड
नम साधन

को को को

३

अजानुमनपत्रसंगोमवंग
कोकुमसिनाबोद्यावन्त
वाथनोकोकसीनबोद्या
डेमानबुद्यानयामदुम्भ
८

ल	ल	ल	ल	ल
त	त	त	त	त
ग	ग	ग	ग	ग
क	क	क	क	क

यज्ञान्मुसनीयाकोपोल्लेसे

यद्योयिधमिआयादि

आनआल्लो कनीडाया नो

आकेमसी नीमुप्रकाव

कोय

किं किं
ॐ

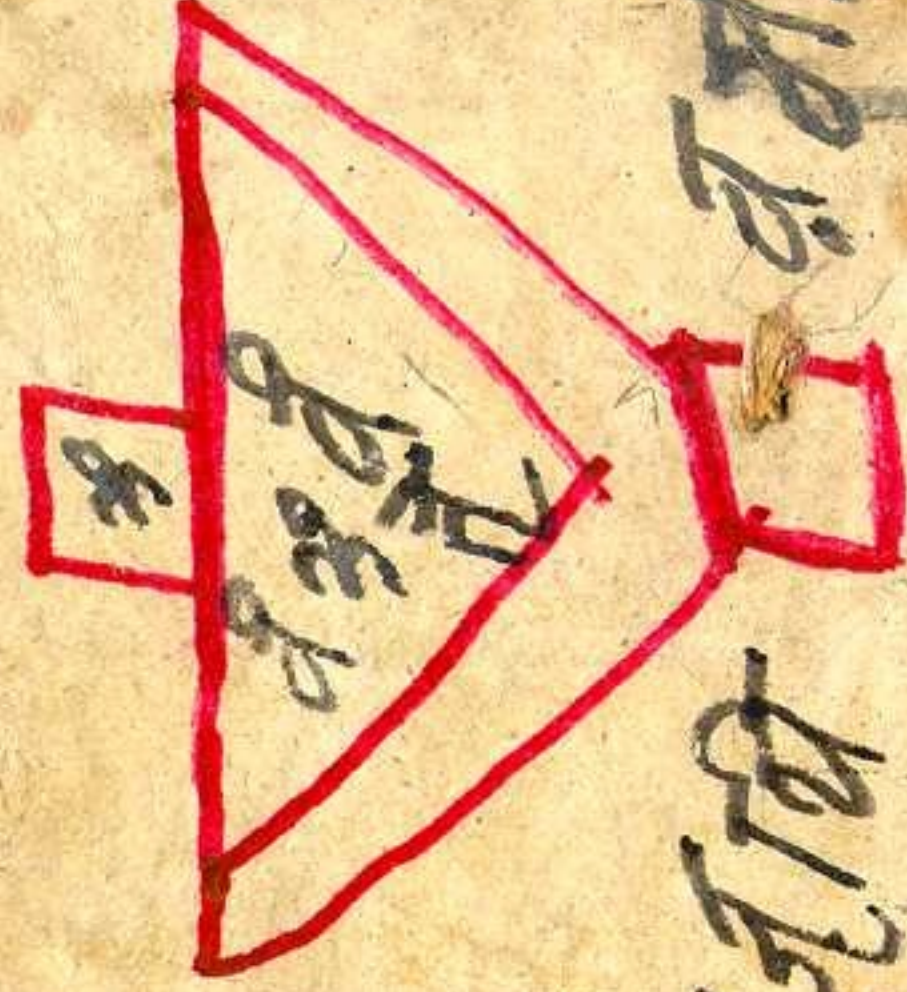
अनादिसुखं अनादिसुखं
गानरं यो यो सौगा अनादिसुखं
वैश्वानरं यो यो सौगा अनादिसुखं
सुपादिसुखं यो यो सौगा
वीजं यो यो



ओ ज न दे रे न्या को मो ले सा
 अ स यो ही न चो रे मी न मी सी
 यो नो म इ थु नो वु इ धा न के
 उ लो आ हि न म को स थु न्य
 म ल्य

ॐ नमो ॐ
ॐ नमो ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



स्वामी

मनवकेज्ज

योगेन मन्त्रेण प्रवस्यन्
नाकं कुम्भस्य निबोध्यावदो
वौलस्यैवेति प्रवदन्त्य
मीनबोधावनामनामरीष
कुशाग्रानि कुद्वेधाद्यावन्त

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



